हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, बुधवार 4 जून 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

सिविल लाइन वार्ड क्रमांक 3 में खुलेआम लिखी जा रही सट्टा-पट्टी

बम्हनीबंजर। शहर के आसपास के के वार्ड क्रमांक 3 में काफी लंबे समय से व सट्टे का कारोबार बेखौफ संचालित हो रहा है। इसके बावजूद किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं की जा रही है। इस कारण क्षेत्र में खुलेआम यह कारोबार खूब फल-फूल रहा है। शहर के आसपास के गांवों में चल रहे अवैध कारोबार से कई परिवार बर्बाद हो रहे है। वार्ड क्रमांक 3 में खुलेआम मोबाइल से सट्टा पट्टी लिखी जा रही जिसके कारण युवा वर्ग बर्बाद हो रहा जिसके चलते वार्ड वासी भी परेशान है सट्टा-पट्टी लिखने वालों के हौसले बुलंद पुलिस प्रशासन से निवेदन है कि सट्टा का अवैध धंधा चलाने वालों के ऊपर कारवाई की जाए जिसके चलते वार्ड वासी को परेशानी का सामना न करना पड़े।

95 लीटर कच्ची शराब और 11 क्विंटल लहान जप्त

मण्डला। मण्डला जिले में मदिरा के अवैध संग्रहण, परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध की गई कार्यवाही में वृत मण्डला में ग्राम अंजनिया में मांद किनारे मदिरा निर्माण करने वाले अड्डों पर दबिश की कार्यवाही की गई। कच्ची मदिरा 95 लीटर एवं 110 डिब्बों में भरा लाहन, जिसकी मात्रा 1100 किलोग्राम। जप्त महुआ लाहन को घटनास्थल पर नष्ट किया गया। जप्त मदिरा एवं लहान की कुल अनुमानित कीमत 1,24,250 रुपये है। आबकारी बल को देख आरोपी भाग खड़े हुए। जिनके विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। उक्त कार्यवाही के दौरान आबकारी उपनिरिक्षक सर्वेश नागवंशी, शैली सैयाम, भानू पुसाम, हरेसिंह उइके, आरक्षक विजय कमलेश, रघुनाथ उइके, सत्यपाल मरावी, राजेन्द्र खंडेलकर, महेश पटेल, शंकुतला सैयाम, नेतराम ककोटिया, प्रिया नायडू उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 80 लोगों की समस्याएं

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने योजना भवन सभाकक्ष में जनसुनवाई के दौरान जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र से आए 80 आवेदकों की समस्या सुनी। कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदनकर्ता को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवेदन का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, अपर कलेक्टर अरविंद सिंह, जेपी यादव, डिप्टी कलेक्टर क्षमा सराफ, एसडीएम सोनल सिडाम सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। संपन्न हुई जनसुनवाई में अतिक्रमण, पेंशन, दिव्यांग सहायता, प्रधानमंत्री आवास योजना, सीमांकन, पेयजल, बिजली बिल सहित अलग-अलग विषयों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए गए।

सड़क पर कहीं भी खड़ी हुई तो अब होगा जुर्माना

यात्री बस संचालन पर क्या लगेगी लगाम

*** सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कलेक्टर के निर्देश।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मण्डला नगर एक सीमित सीमा क्षेत्र में बसा हुआ है यहां पर सड़कें और उनका क्षेत्र सीमित है जबकि वाहनों का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। नगर का दुर्भाग्य कि यहां पार्किंग के लिये कोई नियत स्थान नहीं है ऐसे में यातायात की क्या स्थिति होगी समझा जा सकता है उस पर यदि यात्री बसें बीच सड़क पर या बीच चौराहे पर खड़ी होकर यात्रियों का इंतजार करें तो समस्या और भी गंभीर हो जाती है। अब इस समस्या पर गंभीरतापूर्वक संज्ञान लिया जा रहा है यही कारण है कि कल कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई बैठक में जिल पंचायत सीईओ, अपर कलेक्टर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, एडीएम, जिला परिवहन अधिकारी सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर ने सड़क सुरक्षा के संबंध में विस्तार से चर्चा करते हुये आवश्यकतानुसार सड़कों की मरम्मत के निर्देश दिये साथ ही आवश्यकतानुसार संकेतक लगवाने और शहर के मुख्य मार्गों पर यातायात को व्यवस्थित करने एक दल गठित करने को भी कहा।

कलेक्टर ने चेतावनी देते हुये कहा कि यात्री बसें बस स्टैण्ड से निकलने के बाद शहर की सीमा में निर्धारित स्थान पर ही खड़ी होंगी अन्यथा यहां-वहां खड़ी होती बसों पर जुर्माने की कार्यवाही की जायेगी। ज्ञात हो कि यात्री बसें बस स्टैण्ड से लेकर बिंझिया चौराहे तक रेंग-रेंगकर चलती है और चौराहों में खड़े होकर यात्रियों का इंतजार करती हैं इससे जाम की स्थिति बनती है और दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।

स्कूल बसों के संबंध में जिला परिवहन अधिकारी को निर्देशित करते हुये कहा स्कूल खुलने के पूर्व सभी बसों की जांच कराई जाये ताकि उनकी फिटनेस की स्थिति ज्ञात हो सके। इसी तरह यात्री बसों की भी फिटनेस की जांच की जाये। ज्ञात हो कि जर्जर स्थिति में यात्रियों को लाने ले-जाने का कार्य बसों द्वारा किया जा रहा है इससे भी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

नगर के यातायात को लेकर स्पष्ट रूप से उल्लेखित किया गया कि नगरपालिका कॉम्प्लेक्स के सामने जो पार्किंग लाईन बनाई गई है उसी के अंदर वाहनों को पार्क किया जाये लाईन के बाहर खड़े वाहनों पर जुर्माना की कार्यवाही की जाये। उन दुकानदारों पर भी कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गये हैं जो अपनी निर्धारित से बाहर दुकानों का समान सजाकर रखते हैं और यातायात को प्रभावित करते है।

कथा केवल आनंद ही नहीं, जीवन को दिशा देने वाला दिव्य ज्ञान भी प्रदान करती है

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

खड़देवरा में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है, कथा के छठवें दिन कथा वाचक पं. संतोष शास्त्री पदमी वाले ने बताया कि केवल वही व्यक्ति भागवत कथा का रसपान कर सकता है जिस पर ठाकुरजी की विशेष कृपा होती है। उन्होंने कहा कि यह कथा अध्यात्मिक ज्ञान और भक्ति की पराकाष्ठा का प्रतीक है। यदि कोई श्रीमद्भागवत कथा से कुछ प्राप्त करना चाहते हैं, चाहे वह आत्मज्ञान हो या भक्ति का मार्ग, तो उन्हें प्यासे बनकर, सीखने की भावना के साथ कथा में सम्मिलित होना चाहिए। उन्होंने बताया कि कथा केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि आत्मिक उत्थान का माध्यम है। जिन्हें गोविंद जितना देना चाहते हैं, उन्हें उतना ही प्राप्त होता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि हम सच्चे मन से कथा को सुनें और आत्मसात करें, तो यह कथा केवल आनंद ही नहीं, जीवन को दिशा देने वाला दिव्य ज्ञान भी प्रदान करती है। पं. संतोष शास्त्री ने कहा कि भागवत कथा विश्व कल्याणदायनी है, लोक मंगलकारी है। गुरु, माता-पिता, पुत्र-पुत्री, भाई, मित्र, पति-पत्नी आदि का कर्तव्य बोध एवं सदाचरण की सीख हमें सर्वत्र मिलती है। कथा में उन्होंने बताया कि कथा की सार्थकता तब सिद्ध होती है, जब इसे हम दैनिक जीवन के व्यवहार में शामिल करते हैं। भागवत कथा सुनने से मन का शुद्धिकरण होता है। इससे संशय दूर होता है और मन में शांति व मुक्ति मिलती है। कल 5 जून को पूजन हवन, भण्डारा के साथ कथा का समापन होगा।

महाविद्यालय में मनाया गया विश्व तम्बाकू निषेध दिवस

मण्डला। पी.एम. कॉलेज आफ एक्सीलेंस रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मण्डला में विष्व तम्बाकू निषेध दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं प्राध्यपकों ने सहभागिता की। सभी छात्र-छात्राओं को तम्बाकू सेवन के दुष्परिणाम के बारे में बताया गया। साथ ही साथ तम्बाकू सेवन न करने की शपथ दिलाई गयी। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.अनिल गुप्ता ने तम्बाकू के सेवन से होने वाली गंभीर बीमारियों के बारे में छात्र-छात्राओं को अवगत कराया तथा डॉ.टी.पी.मिश्रा ने छात्रों को तम्बाकू सेवन न करने की हिदायत दी। कार्यक्रम में डॉ.नसीम बानो, डॉ.गुलबहार खान, डॉ. बी. टेंभरे, डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, डॉ. एस.एस. ज्योतिषी, डॉ. पी.एल. झारिया आदि सहित समस्त महाविद्यालयीन स्टाफ उपस्थित रहा साथ ही छात्र-छात्राओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कृषक जागरूकता कार्यक्रमों का हो रहा है आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत विकास खंड मवई के ग्राम पंचायत भीमडोंगरी,खलोडी एवं हररा टोला में कृषक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य किसानों को उन्नत एवं नवीन कृषि तकनीकों से अवगत कराना है, जिससे उनकी उत्पादन क्षमता एवं आय में वृद्धि हो सके। कार्यक्रम में जनपद , हरे सिंह पंद्रे जनपद सदस्य, अक्षय परते, करन मरावी सरपंच, रेखा धुर्वे सरपंच, सहस राम धुर्वे सरपंच, सोहन मरावी सरपंच, प्रणय भारती कृषि वैज्ञानिक एवं वीपी तेकाम वरिष्ठ कृषि अधिकारी,ने किसानों को वैज्ञानिक तरीकों से खेती करने, कीट एवं रोग प्रबंधन, जैविक तथा प्राकृतिक खेती की विधियों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। डॉ अनामिका पशु पालन विभाग, डॉ सुनील गोयल पशु पालन विभाग, पी आर वैध मत्स्य विभाग, श्याम लाल धुर्वे ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी, ने सरकारी योजनाओं को विस्तार से अवगत कराया जहां पर सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

संस्कार शिक्षण शिविर के माध्यम से ज्ञान अर्जित कर रहे शिविरार्थी

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

श्री शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मंडला मे श्री श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के तत्वावधान में 1 से जून से 9 जून तक शिविर आयोजन किया जा रहा है। जिसमें सुबह पूजन एवं कक्षाएं प्रारंभ है। जिसमें सांगानेर से पधारे हुए विद्वत्श्री सक्षम जैन शास्त्री ने छहढाला अध्ययन कराते हुए बताया कि वीतरागी सर्वज्ञ हितोपदेशी भगवान को नमस्कार करो एवं गुरुओं की सच्ची शिक्षा को ग्रहण करो।निगोद के दुख बताते हुए कहा कि निगोद का जीव एक श्वास में 18 बार जन्म मरण के दुःखों को भोगता हुआ स्थावर पर्याय प्राप्त करता है इसलिए हमें इन दुखों से बचना चाहिए। इस प्रकार भैया जी ने छहढाला का अध्ययन कराया एवं विद्वत संयम जैन शास्त्री गढ़ाकोटा ने छोटे बच्चों को णमोंकार महामंत्र का अध्ययन कराते हुए हमें अपने माता-पिता गुरुजन के प्रति कैसा व्यवहार होना चाहिए यह बताया। अनेक प्रकार की धार्मिक शिक्षा दी। सभी बच्चों ने पुरुषों ने एवं महिलाओं ने शिविर मे आनंद पूर्वक धार्मिक शिक्षा को ग्रहण करते हुए धर्म श्रवण किया। श्री श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के तत्वावधान में संस्कार शिक्षण शिविर मंडला में नित्य अभिषेक पूजन - 7.30 बजें, बच्चों की कक्षाएं - 8.30 से 9.15, महिला एंव पुरुष वर्ग कक्षा -8.30 से 9.15 तक (छहढाला), सायंकाल 7.00 बजें आरती, बच्चों की कक्षाएं - 7.15 से 8.15 तक, बच्चों के लिए धार्मिक खेल, महिला एंव पुरुष वर्ग - 8.00 से 8.45 तक हो रहे हैं। शिविर में बच्चों को विद्वत - सक्षम जैन शास्त्री एवं विद्वत-संयम जैन शास्त्री द्वारा संस्कारों की शिक्षा दी जा रही है।

कार्यवाही | **गोपनीय सूचना पर कार्रवाई, NDPS के अंतर्गत अपराधी गिरफ्तार**

4.84 ग्राम स्मैक के साथ युवक गिरफ्तार

*** पता लगाया जा रहा है कि युवक के पास स्मैक आई कहां से।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

दिनांक 02.06.2025 की शाम थाना कोतवाली मंडला को सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति, जिसका नाम रोहित है, अनिकट क्षेत्र के पास अवैध मादक पदार्थ स्मैक (ब्राउन शुगर) के साथ संदिग्ध अवस्था में खड़ा है। प्राप्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी कोतवाली शफीक़ ख़ान द्वारा तत्काल पुलिस टीम को बताए गए स्थान पर रवाना किया गया। पुलिस टीम द्वारा पूरी सतर्कता से घेराबंदी कर संदिग्ध व्यक्ति को मौके पर पकड़ा गया। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान रोहित उर्फ राजा सारथी, पिता रमेश सारथी, उम्र 28 वर्ष, निवासी राजेन्द्र प्रसाद वार्ड, मंडला के रूप में हुई। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 4.84 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक (ब्राउन शुगर) बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत लगभग 15,000 रूपये से 20,000 रूपये के बीच आंकी गई है। आरोपी का कृत्य NDPS Act की धारा 8/21 के अंतर्गत दंडनीय पाए जाने पर आरोपी के विरुद्ध थाना कोतवाली मंडला में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। आरोपी रोहित उर्फ राजा सारथी के विरुद्ध पूर्व में भी NDPS एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध हैं। आरोपी द्वारा यह स्मैक कहां से प्राप्त की गई थी तथा ब्राउन शुगर का स्रोत क्या था, इस संबंध में भी विस्तृत जांच जारी है।

ज्ञात हो कि मंडला पुलिस द्वारा नशे के खात्मे हेतु ₹ऑपरेशन क्लीन स्वीपश्र चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत नारकोटिक हेल्पलाइन नंबर 7587644166 भी संचालित किया जा रहा है। इस हेल्पलाइन पर कोई भी व्यक्ति अपने आस-पास या मादक पदार्थों के व्यापार में संलिप्त किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की जानकारी गोपनीय रूप से साझा कर सकता है।

उक्त कार्यवाही एसडीओपी मंडला के निर्देशन थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शफीक खान के नेतृत्व में उप निरी. सकरू सिंह धुर्वे, प्रआर.पूरन इडपाचे, आरक्षक अमित गरयार, रमेश सिंगरोरे, रामचंद्र कुर्वेती, सुरेन्द्र चौधरी, म.आर.इशिका चौधरी शामिल रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत सुखराम जनपद पंचायत नारायणगंज मंडला

निविदा सूचना

ग्राम पंचायत सुखराम में समस्त पक्के निर्माण कार्य हेतु सामग्री लोहा, गिट्टी, सीमेंट, रेट आदि की आवश्यकता है वर्ष 2025-26 के लिए जीएसटी बिल वाले निर्माण सामग्री सप्लायरों से बंद लिफाफे में निवाड़ा आमंत्रित की जाती है निविदा संबंधित विस्तृत जानकारी कार्यालय सूचना पटल पर पढ़ी वह देखी जा सकती है।

सचिव, ग्राम पंचायत सुखराम, जनपद पंचायत नारायणगंज — सरपंच, ग्राम पंचायत सुखराम, जनपद पंचायत नारायणगंज

कार्यालय ग्राम पंचायत खम्हरिया जनपद पंचायत नारायणगंज मंडला

निविदा सूचना

ग्राम पंचायत खम्हरिया में समस्त पक्के निर्माण कार्य हेतु सामग्री लोहा, गिट्टी, सीमेंट, रेट आदि की आवश्यकता है वर्ष 2025-26 के लिए जीएसटी बिल वाले निर्माण सामग्री सप्लायरों से बंद लिफाफे में निवाड़ा आमंत्रित की जाती है निविदा संबंधित विस्तृत जानकारी कार्यालय सूचना पटल पर पढ़ी वह देखी जा सकती है।

सचिव, ग्राम पंचायत खम्हरिया, जनपद पंचायत नारायणगंज — सरपंच, ग्राम पंचायत खम्हरिया, जनपद पंचायत नारायणगंज

कार्यालय ग्राम पंचायत खिन्हा जनपद पंचायत नारायणगंज मंडला

निविदा सूचना

ग्राम पंचायत खिन्हा में समस्त पक्के निर्माण कार्य हेतु सामग्री लोहा, गिट्टी, सीमेंट, रेट आदि की आवश्यकता है वर्ष 2025-26 के लिए जीएसटी बिल वाले निर्माण सामग्री सप्लायरों से बंद लिफाफे में निवाड़ा आमंत्रित की जाती है निविदा संबंधित विस्तृत जानकारी कार्यालय सूचना पटल पर पढ़ी वह देखी जा सकती है।

सचिव, ग्राम पंचायत खिन्हा, जनपद पंचायत नारायणगंज — सरपंच, ग्राम पंचायत खिन्हा, जनपद पंचायत नारायणगंज

कार्यालय ग्राम पंचायत पडरिया जनपद पंचायत नारायणगंज मंडला

निविदा सूचना

ग्राम पंचायत पडरिया में समस्त पक्के निर्माण कार्य हेतु सामग्री लोहा, गिट्टी, सीमेंट, रेट आदि की आवश्यकता है वर्ष 2025-26 के लिए जीएसटी बिल वाले निर्माण सामग्री सप्लायरों से बंद लिफाफे में निवाड़ा आमंत्रित की जाती है निविदा संबंधित विस्तृत जानकारी कार्यालय सूचना पटल पर पढ़ी वह देखी जा सकती है।

सचिव, ग्राम पंचायत पडरिया, जनपद पंचायत नारायणगंज — सरपंच, ग्राम पंचायत पडरिया, जनपद पंचायत नारायणगंज

Government of Madhya Pradesh
Higher Education Department,
Govt College Niwas Distt Mandla
Madhya Pradesh
Pin 481885
E mail address: artcollage.niwas@gmail.com, govtcollegeniwas@gmail.com

1.Tender Notice -NIT No: 03/GCN/RFQ/2024-25/ ICT equipment, NIWAS, Distt Mandla
2.Tender Notice -NIT No: 04/GCN/RFQ/2024-25/ Electrical equipment, NIWAS, Distt Mandla

Govt College Niwas Distt Mandla Madhya Pradesh Pin 481885 invites Request for Bid for Procurement of Goods- Supply, Installation, Testing, Commissioning of ICT equipment and Electrical equipment on Turn key basis bid proposal to College. Interested bidders are requested to view the mptender.gov.in e-Portal for the Bid information from 26/05/2025 .onwards. Last date of Submission on 23/06.2025 This Tender Notice Information will also be available https://www.highereducation.mp.gov.in

Principal,
Govt Colleg Niwas Distt. Mandla (M.P.)
Higher Education Department

नोटः e tender में किसी भी प्रकार का परिवर्तन MP e tender में online माध्यम से ही किया जाएगा जिसकी जानकारी का प्रकाशन समाचार पत्र में पुनः नहीं किया जाएगा।

खबर संक्षेप

ट्रेनों में सीट सुरक्षित करने ट्रेक पार कर यात्री

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शहर के रेलवे स्टेशन पर रेलयात्री सुविधाएँ मॉगने के हकदार है। किन्तु जान जोखिम में डाल उनका ट्रेनो में सफर करने को आतुर रहना उचित नही कहा जा सकता। गौरतलब है कि इन दिनों चुनावी महौल के कारण रेलवे स्टेशन के दोनो प्लेटफार्मो पर रेलयात्री बच्चो, युवाओं, महिलाओं की काफी भीडभाड़ का आलम रहता है, इस दौरान जब भी कोई ट्रेन रूकती है तो उसमें सीट सुरक्षित करने के लिए अधिकतर यात्री अपनी जान की परवाह न कर सीट की जुगाड़ में लग जाते है। हालत यह है कि कभी रूकने के लिए रेंगती ट्रेनो में उनके द्वारा चढ़नें की कोशिश की जाती है। बताया जाता है कि कई रेलयात्री ट्रेनो में सीट सुरक्षित करने के चलते ट्रैक पर खड़े हो जाते है, जब प्लेटफार्म कूद ट्रैक पार करना अपने आम में खतरे से खाली नही रहता, शहरवासियो ने रेल पुलिस से गुहार लगायी है कि स्टेशन पर ट्रेनो के आने के समय वह प्लेटफार्मो पर विशेष चौकासी बरते और रेलो में जगह पाने के लिए ट्रैक का इस्तेमाल करने वाले रेलयात्रियो को ट्रैक से हटा प्लेट फार्मो पर ही बैठकर ट्रेनो में चढ़ने की हिदायत दे।

गांव में कीचड़ का साम्राज्य, स्वार्णिम म.प्र. बनने की सपने पर लग रहा ग्रहण..?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां एक ओर प्रदेश से लेकर केन्द्र में बैठी सरकार द्वारा ग्रामों के विकास के लिए मनमानी धनराशि भेजकर उनकी सूरत बदलने की सोच बनाये हुए है? वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि धन राशि खर्च होने के बाद भी ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति नही बदल पाने के कारण जहां देश के मुखिया द्वारा देश को स्वच्छ बनाने के सपने पर पंचायतों में बैठे जनप्रतिनिधि व अधिकारियों द्वारा ग्रहण लगाया जा रहा है? वही दूसरी ओर क्षेत्र की अनेक पंचायत की उदासीनता के चलते ग्रामवासियों को बदहाल स्थिति में जीने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है? इस बात की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाली अनेक ग्राम पंचायतों में देखने मिल रही है? बताया जाता है कि शासन द्वारा ग्राम पंचायत में सड़को के निर्माण सहित अन्य कार्यो के लिए काफी मात्रा में धनराशि खर्च की गई है, जिसके खर्च होने के बाद भी आज गांव की स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि लोगों को घुटना घुटना कीचड़ के बीच से गुजरना पड़ रहा है। इस प्रकार से गांव में कीचड़ का साम्राज्य स्थापित होने के कारण जहां जनप्रतिनिधियों की कार्य शैली पर सबाल खड़े हो रहे है। वही दूसरी ओर जनपद में बैठे अधिकारियों की भूमिका भी संदिग्ध बनने से नही चूक पा रही है? क्योंकि पंचायत के विकास कार्यो में हो रही गफलत बाजी की शिकायत जब अधिकारियों से की जाती है तो उनके द्वारा भी शिकायतों को नजर अदांज करते हुए अनदेखी कर दी जाती है, जिसके चलते जहां आम लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ नही मिल पा रहा है। वही दूसरी ओर प्रदेश को स्वच्छ बनाने का देश के मुखिया के सपने को भी अधिकारियों की मिली भगत से पंचायत स्तर के जनप्रतिनिधियों द्वारा पलीता लगाया जा रहा है।

मशीन चलाने की बात को लेकर पुराने ड्राईवर ने नये ड्राईवर के साथ की मारपीट

गाडरवारा। पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस कमलेश पिता छन्नू लाल यादव उम्र 28 साल निवासी ग्राम बम्हौरी जिला सिवनी निवासी द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मैं लगभग 6 साल से ग्राम आमगांव छोटा निवासी बसंत वर्मा की जेसीबी मशीन चला रहा हूं। जब बीते हुये दिवस सालीचौका पौडार तिरहा के पास मशीन चला रहा था उसी दौरान इस मशीन को पहले चलाने वाला ड्राईवर सत्य नारायण यादव निवासी ग्राम नयाखेडा हाल निवासी चीचली आया और बोला की तू इस मशीन को क्यों चला रहा है। इसे पहले मै चलाता था। सेठ मुझे बगैर किसी कारण के इस मशीन से हटा दिया गया था तो इस तू भी नही चला।

प्रधानमंत्री आवास योजनाः राशि की आस में शहरों से लेकर गांव गांव हितग्राही कच्चे मकान तोड़कर धूप व बारिश में तम्बू में समय काटने मजबूर

हरिभूमि न्यूज/चीचली।

अक्सर सुना जाता है कि बारिश व गर्मी आने के पहले अपने बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए मूक पशु व पक्षी भी घोषला तैयार कर लेते है कि उनके मासूम बच्चों को किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर न होना पड़े। मगर इस समय जिस शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में देखा जा रहा है कि मकान विहीन हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मिलने वाली राशि की आस में अपने आशियानों को तोड़कर जिस तरह वह तम्बूओं के भरोसे अपना समय काट रहे है क्या वह आने वाली भीषण गर्मी का सामना कर पायेगे? क्योंकि इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि जिस प्रकार से देश के प्रधानमंत्री द्वारा हर गरीब व कच्चे मकानों में रहने वाले लोगों को पक्के मकान देने की जो योजना शुरू की गई है इस योजना से उन गरीबों के चेहरों पर मुस्कान तो दिखाई दे रही है जो कभी पक्के मकान में रहने की कल्पना तक नही कर सकते थें। मगर देश के प्रधानमंत्री द्वारा आवास योजना की शुरूआत करते हुए गरीबों के सपने को साकार करने में कोई कसर नही छोड़ी गई है। वही दूसरी ओर इस योजना के सही क्रियन्वयन को लेकर नगर पालिका व परिषदों से लेकर ग्राम पंचायतों द्वारा अपनाई जा रही कार्य प्रणाली के चलते देश के प्रधानमंत्री की यह योजना गरीबों को परेशानियों में डालते हुए दिखाई देने लगी है? क्योंकि क्षेत्र के अनेक हितग्राहियों द्वारा जिस प्रकार से अपने कच्चे आवासों को तोड़ते हुए पक्के आवास बनाने का जो सपना संजोकर रखा गया है उसे ग्रहण लगते हुए दिखाई देने लगा है? क्योंकि आवास योजना के नाम पर मिलने वाली राशि की आस में आवास विहीन होकर अपने मासूम बच्चों के साथ तम्बू में रहने वाले इन गरीबों को इस समय आग उगलते हुये सूरज की तेज तपन काटना मुश्किल हो रहा है..? क्योंकि नगर परिषदों से लेकर ग्राम पंचायतों द्वारा जिस तरह से हितग्राहियों के खातों में राशि पहुंचने को लेकर कोताही बरती जा रही है उसके चलते अनेक हितग्राहियों के आधे अधूरे भवनों का निर्माण कार्य जैसे का तैसा पड़ा हुआ है तो दूसरी ओर अनेक लोगों का हाल इस तरह बना हुआ है कि लेंटर नही डलने से वह पन्नी डालकर निवास करते हुये देखे जा रहे है जिन्हें चिंता इस बात है कि आखिर कार वह भीषण गर्मी में मासूम बच्चों की सुरक्षा कैसे कर पायेगे? इस संबंध में प्रधानमंत्री आवास योजना में शामिल हितग्राहियों द्वारा बताया गया है कि कुछ समय पूर्व क्षेत्र के जिम्मेदारों द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना में शामिल हितग्राहियों को आवास पट्टे वितरण करते हुए कहा गया था कि उनके खातों में आवास निर्माण कराने के लिए शीघ्र राशि भी पहुंच जावेगी। मगर आवासों के निर्माण हेतु अभी तक खातों में राशि नही पहुंचने की बात को लेकर जब नगरी क्षेत्र में परिषद व ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत व जनपद के अधिकारियों से संपर्क किया जाता है तो उनके द्वारा यही कहा जाता है कि पहले आप लोग अपने पुराने कच्चे मकानों को तोडले इसके बाद भी आप लोगों के खातों में राशि डाली जावेगी। जिसके चलते अनेक हितग्राहियों द्वारा अपने आवासों को तोड़कर वह अपना निवासी तम्बू लगाकर कर रहे है। मगर इसके बाद भी हितग्राहियों के खातों में राशि नही पहुंचने के कारण हितग्राहियों को अनेक प्रकार की चिंताये सताने लगी है? इस संबंध में कुछ हितग्राहियों द्वारा जिम्मेदार अधिकारियों की कार्य प्रणाली पर आरोप लगाते हुए बताया है कि संबंधित कार्य से जुडे हुये कर्मचारियों द्वारा हितग्राहियों के खातों में राशि पहुंचाने में पक्षपात पूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है और अपने तिहैषी व मुह देखते हुए राशि पहुंचाई जा रही है जिसके चलते जहां अधिकारियों की इस कार्य प्रणाली के चलते हितग्राहियों में अधिकारियों के प्रति आक्रोश का वातावरण निर्मित होने लगा है? वही दूसरी ओर अधिकारियों द्वारा कुछ हितग्राहियों को तो इस योजना में इस प्रकार से शामिल कर लिया गया है जिनके पास कई एकड़ जमीन व पक्के मकान होते हुए भी उनके भवनों के निर्माण हेतु राशि प्रदान कर दी गई है। इतना ही नही जिन लोगों को आवास योजना का लाभ दिया गया है और उन्होंने अपने मकानों को बनाया गया है वह प्रधानमंत्री आवास योजना के नियमों के विपरित देखने मिल रहे है। क्योंकि प्रधानमंत्री आवास योजना के नियम अनुसार जिस व्यक्ति के पास पट्टा या फिर जमीन होती है उन्ही को इस योजना का लाभ दिया जाता है। मगर यहां पर तो प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि से बिल्डिगों के ऊपर बिल्डिगे बन रही है? यदि नपा से लेकर पंचायतों द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के लिये बनाई गई हितग्राहियों की सूची की निष्ठा के साथ जांच हो जावे तो निश्चित ही चौकाने वाली सच्चाई सामने आने से नही चूक सकती है कि आखिरकार शासन की राशि का किस प्रकार से बंदर बांट किया जा रहा है, जिसके चलते जहां शासन की इस योजना से सही पात्र हितग्राही बंचित नजर आ रहे है और अपात्रों को लाभ मिलने से उनके आवास तैयार हो रहे है? इस प्रकार से देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हर झोपड पट्टी वाले लोगों को पक्के आवास देने के लिए संजोये गये सपने को अधिकारियों द्वारा धडल्ले से ग्रहण लगाने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है? इस तरह प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों द्वारा खाई जाने वाली मलाई को लेकर तहसील से लेकर जिला स्तर पर बैठे हुये अधिकारियों द्वारा भी पूर्णरूप से चुप्पी साध ली गई और इसी का परिणाम है कि इन कर्मचारियों की मनमानी पूर्णरूप से हाबी होते चली जा रही है।

किसानों को सिंचाई के लिये मिल रही महज दो घंटे बिजली, इस स्थिति में कैसे उभर पायेगी अन्नदाता की जिन्दगी

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया। इस बात से इंकार जा रहा है कि बिजली विभाग द्वारा अपने बिलों की बसूली न की जावे वह तो बिजली बिलों की बसूली करने में कोई कसर न छोड़े मगर किसानों को बिजली भी तो उपलब्ध कराई जावे बगैर बिजली दिये हुये बिलों की बसूली क्या उचित है? क्योंकि इन दिनों बिजली विभाग द्वारा किसानों से बिलों की बसूली तो लगतार की जा रही है मगर उन्हें मात्र चंद घंटे बिजली उपलब्ध कराये जाने से वह अपनी जिन्दगी कैसे संभाल पायेगे। क्योंकि गाडरवारा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कौड़िया, सिहोरा, सडूमर, भौरझिर सहित आसपास के अनेक गांवों के किसानो को सिचाई के लिये महज दो घंटे बिजली ही नसीब हो रही हे इससे अंदाजा लगाया जा सकता हे की किसान कैसे अपनी फसलो की सिचाई कर पाते होगे इन ग्रामो के किसानो का कहना हे की उनके क्षेत्र की बिजली सफलाई जोड़ी गयी हे जो काफी लम्बी दुरी तय करती है जिसमें आये दिन खराबी होने के कारण बंद होने के बाद सुधार नही हो पाता है। वही बताया गया हे की रात में बमुश्किल दो घंटे ही सिचाई के लिये बिजली मिल पाती हे जिससे खेत की एक शिफ्ट भी पूरी तरह से सिंचाई नही हो पाती है जिसके चलते खेतो में खड़ी हुई मूंग फसल खराब होने से नही बच पा रही है। यहां के अनेक किसानो ने अपनी जानकारी में बताया की दिन में भी इसी तरह के हालात बनते है कि दिन के समय अधिकतर बिजली की कटोती कही मेन्टेनेस के नाम पर तो कही लाइन खराब होने का बहाना बनाकर काटी जाती है। क्योकि इस समय देखा जावे तो किसानों के खेतो में जहां मूंग फसल लगी हुई तो अनेक किसानों ने अन्य प्रकार की फसलों की बोनी कर दी गई है जिसे इस समय पड़ रही गर्मी के दौरान सिंचाई की जरूरत है मगर किसानों को मात्र चंद घंटे ही बिजली उपलब्ध होने से फसले खराब होते हुये नजर आने लगी है। इस तरह अनेक गांवों में बोल्टेज की समस्या के चलते किसानों के नलकूपों की मोटरे ही नही चल पा रही है अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि किसान अपने खेतों की सिंचाई कैसे कर पायेगे। जबकि देखा जावे तो बिजली विभाग द्वारा जिन किसानों के बिल बकाया है उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही करते हुये उनकी कुर्की करने में कोई कसर नही छोड रहा है तो दूसरी ओर यदि बिल जमा करने में एक दिन की देरी हो जाती है तो पेनाल्टी के साथ बसूली की जाती है मगर जब बिजली विभाग द्वारा निर्धारित मात्रा में बिजली उपलब्ध कराये जाने में बरती जा रही कताही के बाद भी बिजली विभाग पर कार्यवाही क्यों नही होती है?

इस कलयुग काल में संत महात्माओं के दर्शन से मिलता है पुण्य लाभ, ग्राम सहावन में चल रहे श्रीरूद्र महायज्ञ में पहुंचे शिक्षा मंत्री राव सहित समाज सेवी महेश्वरी

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

इस समय चल रहे ज्येष्ठ मास के दौरान जहां चारों ओर धार्मिक आयोजन होते हुये देखे जा रहे है। वही समीपस्थ ग्राम सहावन में जिस तरह पंच कुण्डीय श्रीरूद्र महायज्ञ एवं संगीतमय श्रीराम कथा सहित श्री शिव महापुरायण तथा श्रीमद् भागवत महापुराण महोत्सव के चलते गांव में अनोखा महौल दिखाई पड़ रहा है। ग्राम सहावन में 29 मई से कल 4 जून तक आयोजित हो रहे पंच कुण्डीय श्रीरूद्र महायज्ञ एवं संगीतमय श्रीरामकथा ग्राम के हर व्यक्ति में अनोखा उत्साह देखने मिल रहा है। इस आयोजन में वक्ताओं के रूप में पधारे वाले संतों में मुख्य रूप से किशोरी मांडवी वृंदावन धाम द्वारा प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक भगवान श्रीराम की कथा सुनाते हुये जहां लोगों को भाव विभोर कर रही है। वही दूसरी ओर राष्ट्रीय कथा वाचक आचार्य नरेन्द्र कृष्ण शास्त्री द्वारा प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक शिव पुराण कथा सुना रहे है। वही शाम 4 बजे से 6 बजे तक आचार्य पं. ऋषभ उपाध्याय द्वारा भागवत कथा के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का बखान किया जा रहा है। वही दूसरी ओर प्रतिदिन यहां पर महिलाओं सहित अन्य लोगों द्वारा शिवलिंग रूद्री निर्माण करते हुये संपूर्ण महौल को शिवमय बना दिया गया है। इस प्रकार से भगवान रामजी की कथा के साथ शिव पुराण व श्रीमद्भ भागवत कथा के त्रिवेणी संगम के बीच जिस लोगों के बीच उत्साह देखने मिल रहा है उसे चलते संपूर्ण गांव की अनोखी छटा बन चुकी है। इसी के चलते बीते हुये क्षेत्र के विधायक व प्रदेश के शिक्षा परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह, जिला पंचायत सदस्य डा योगेश कौरव तथा समाज सेवी उद्योग पति विनीत महेश्वरी ने भी इस धार्मिक आयोजन में पहुंचकर संतों सहित पुराणों का पूजन करते हुये धर्म लाभ अर्जित किया गया। इस प्रकार से आयोजन के छटवे दिवस कथा वाचक आचार्य ऋषभ उपाध्याय द्वारा भगवान कृष्ण के जन्म के बाद की कथा सुनाते हुए कहा कि भगवान कृष्ण के जन्म से गोकुल में खुशी एवं मथुरा में दुख का माहौल बन गया था, इससे कंस बहुत दुःखी है। क्योंकि उसके मृत्यु का समय समीप आ चुका है। क्योंकि दुष्ट कर्म एवं विचार बहुत दिनों तक साथ नही देते है एक दिन अंत जरूर होता है। कभी भी व्यक्ति को अपने धर्म सहित माता पिता का विरोध नही करना चाहिये और जो इनका विरोध करता है उसे समाज मे अपयश मिलता है। संत आचार्य एवं ब्राह्मण का हमेशा सम्मान करना चाहिए यदि उनका अपमान होगा तो कंस की तरह रोना पडेगा। जीवन में सफलता के लिए संत महात्माओं का सत्संग जरूरी है। उनके दर्शन से पुण्य मिलता है। इस दौरान उंन्होने आगे कहा कि श्रीमद भागवत कथा से समाज मे सुधार होना चाहिए तभी कथा आयोजन की सार्थकता है। जब जन्म जन्मांतरों के पुण्य उदय होते है तब कही सत्संग प्राप्त होता है और यह सत्संग का फल यह होता है कि वह मोह रूपी अंधकार को हृदय से नष्ट करते हुये भक्ति की ओर अग्रसर करता है। इस दौरान उन्होंने भागवत कथा के दौरान भगवान की रासलीला सहित उद्धव गोपी संवाद बडे की मार्मिक तरीके से सुनाया गया। वही आचार्य नरेन्द्र शास्त्री द्वारा भगवान शिवजी की कथा सुनाते हुये कहा कि भगवान शिवजी अपने भक्तों पर बडे ही शीघ्रता के साथ प्रसन्न हो जाते है। यदि आप शिवजी के ऊपर सच्चे मन से एक लोटा जल ढारते है तो वह उसी में प्रसन्न होकर अपनी भक्तों को मुश्बित से निजात दिलाने के लिये खड़ दिखाई देते है। वही वृदावन धाम से पधारी हुई रामकथा वाचक किशोरी मांडवी द्वारा भगवान श्रीराम की लीलाओं का वर्णन सुनाते हुये कहा कि भगवान राम ने इस पृथ्वी पर राक्षसों को समाप्त करने के लिये ही अवतार लिया था। जब पृथ्वी लोक पर अत्याचार बढ़ जाते है तो भगवान अवतार लेते है। इस तरह ग्राम सहावन में चल रहे पंच कुण्डीय श्रीरूद्र महायज्ञ एवं संगीतमय रामकथा व शिव महापुराण व श्रीमद् भागवत कथा के त्रिवेणी संगम में प्रतिदिन भक्तों की भीड़ उमड़ने से नही चूक रही है। वही इस धार्मिक आयोजन का आज अंतिम दिवस होगा। पूर्णाहूति के साथ कथा का समापन होने के बाद विशाल प्रसादी वितरण महा भंडारे का आयोजन किया जावेगा।

आखिरकार नालियाँ क्यों नहीं हो पा रही अतिक्रमणकारियों से मुक्त....?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

आये दिन देखा जाता है कि प्रशासन द्वारा नगर में अतिक्रमण हटाने की मुहिम तो चलाई जाती है, मगर उस अतिक्रमण की सच्चाई पर गौर किया जावे तो वह मात्र औपचारिता ही साबित होते हुए सिर्फ छोटे मोटे गरीबों के घर तोड़ने तथा टपरे हटाने तक सीमित रह जाती है? क्योंकि जिस प्रकार से प्रभावशाली लोगों द्वारा अपना अतिक्रमण किया गया है वह तोड़ने में शायद प्रशासन द्वारा संकोच बरती जाती रही है जिसकी सच्चाई इस समय नगर में जहां तहां आसानी से देखने मिल सकती है? इस प्रकार से अतिक्रमण हो हटाने के लिए अभियान चलाकर जिन लोगों के एक वर्ष पहले अतिक्रमण हटाये गये थें, वह लोग पुनः उसी जगहो पर कबीज नजर आते हुए दिखाई पड़ रहे है, वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो गरीबों के अतिक्रमण हटाने मे बहादुरी दिखाने वाला प्रशासन का अतिक्रमण दस्ता पूंजी पतियों द्वारा किए गए अतिक्रमण हटाने मे बेबस नजर जान पड़ रहा है? क्योंकि यदि नगर के अतिक्रमण की सच्चाई पर गौर किया जावे तो नगर में अनेक जगहों पर जहां लोगों द्वारा नजूल की जमीन एवं मेन रोड के बगल से नाले व नालियों को अतिक्रमणकारियों द्वारा पूर्णरूप से उन्हें ढ़ककर उसके ऊपर कोटा स्टोन एवं मार्बल लगाते हुए अपने कब्जे में कर लिया गया है जिसके चलते जहां स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि लोगों को आने जाने में भी परेशानियों का सामना करने मजबूर होना पड़ रहा है? इस बात की सच्चाई का प्रमुख नजारा इस समय नगर के प्रमुख बाजार के साथ नगर की गालियों एवं कुछ अन्य स्थानों पर देखने को मिल रहा है, जहां पर कई वर्षो से इन धनवानों ने नजूल की जमीन एवं नाले नालियों को बंद कर अपनी जागीर बना रखा है, नगर के नाले नालियों के पास रहनें वाले लोगों के निस्तार के पानी का मार्ग इससे अवरूद्ध होता जा रहा है और व्याप्त गंदगी से संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका बन रही है? वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो नगर के बस स्टेन्ड से पलोहा नाका की ओर जाने वाले प्रमुख चौराहे की स्थिति तो इस प्रकार से देखने मिल रही है कि लोगों द्वारा जिस प्रकार से अपने भवनों को निर्धारित सीमा से बढ़ाकर आगे की ओर बनाया गया है उससे सड़क का हाल यह बन चुका है कि वहां पर बसों के निकलने में इतनी परेशानी होती है कि बस चालक इस दहशत में रहते है कि कोई घटना घटित न हो जावे, जबकि यहां की मार्ग को काफी चौड़ा बताया जा रहा है। मगर अतिक्रमण की बाढ़ के चलते यहां पर छोटे वाहनों का निकलना तक मुश्किल हो चुका है, यह बात अलग है कि इस समय प्रशासन द्वारा नगर में अतिक्रमण हटाने की मुहिम चलाई चलाई जाती है, मगर यह मुहिम मात्र गरीबों तक सीमित रहने के कारण धनवानों की हवेलियों में आज भी शासकीय भूमि पर कब्जा करते हुए अपनी खुशी की किलकारी दिखाई पड़ रही है जिसके चलते शासन के ईमानदारी से अतिक्रमण हटाने की सच्चाई पर पक्षपात के बादल स्पष्ट मडराते हुए दिखाई पड़ रहे है?

बाजार में छले जा रहे उपभोक्ताओं का भगवान ही मालिक, पक्के बिल देने से कतरा रहे व्यापारी

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। शहर सहित क्षेत्र के बाजारों में बढ़ रही बाजारो की चकाचौंध बढ़ने के साथ ही आस पास के गॉवो में स्थित दुकाने भी आधुनिक दौर की मनचाही चीजो से सजने लगी है, जीवन शैली बदलने, उपभोक्ता वादी संस्कृति की वजह से बाजार का विस्तार हो रहा है, यह बात अपनी जगह सही है किन्तु हकीकत यह है कि चमकते, दमकते बाजार में वर्तमान में उपभोक्ता की हैसियत ऐसी आदमी की रह गयी है, जो चुपचाप बिना मोलतोल किए अपनी जरूरी की चीजें खरीदकर घर वापिस हो जाते है, जाहिर है व्यापारी मुनाफा कमाने के चक्कर में इतनें संबेदन हीन हो गए है कि उन्हे उपभोक्ताओं को हितों को नजर अंदाज करने में मजा आ रहा है, जिसका नतीजा है कि उपभोक्ता ठगे जा रहे है और कई तरीकों से उनका आर्थिक शोषण किया जा रहा है? बाजार में पत्थरो के बॉटो का चलन बरकार है, डिब्बे सहित मिठाईयॉ तौली जा रही है, एक ही चीज पर विभिन्न तरह के लेबिल लगाकर उन्हे बेरोक टोक बेचा जा रहा है? लुभावने विज्ञापनो के जरिए बिना गारंटी की वस्तुएँ थमायी जा रही है, यही नहीं कोई भी सामान खरीदने पर आमतौर पर व्यापारी पक्का बिल देने से कतरा रहे है, जिससे शासन को प्रतिदिन लाखों का चूना लग रहा है, वही दूसरी ओर इन बातों से अंजान बना प्रशासन मूक दर्शक बनकर उपभोक्ताओं के हितों पर लगातार प्रहार होने का तमाशा देख रहा है, जिसके चलते आये दिन आम उपभोक्ता लुटने के लिए मजबूर होते हुए देखा जा रहा है?

निर्धारित समय पर खोली जाए उचित मूल्य की दुकानें

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। शासन द्वारा गरीबों के हितों का ध्यान रखते हुए उन्हें सस्ता राशन उपलब्ध कराया जा रहा है जिससे सार्वजानिक वितरण प्रणाली के तहत संचालित सस्ते राशन की दुकानों से हालांकि सरकार की मंशानुरूप गेहू, कैरोसिन, चॉवल और शक्कर का वितरण किया जा रहा है।

नाम परिवर्तन सूचना

शिवकुमार पिता श्री आशाराम यादव निवासी ग्राम पिठहरा, पोस्ट आमगॉव छोटा, तह. गाडरवारा जिला नरसिंहपुर (म.प्र.) द्वारा शपथ पत्र प्रस्तुत करते हुये सर्व साधारण को सूचित किया गया है कि मैं उपरोक्त पते की स्थाई निवासी हूँ। यह है कि मेरा वास्तविक नाम शिवकुमार यादव है तथा घरेलू नाम विनीत हैं, उक्त दोनों नामों का मैं एक ही व्यक्ति हूँ, दो अलग अलग व्यक्ति नही हैं, मुझे उक्त दोनों नामों से जाना व पहचाना जाता है। मेरे वर्तमान दस्तावेज आधार कार्ड, पेन कार्ड, बैंक खाता रिकार्ड में मेरा नाम शिवकुमार यादव तथा एच.डी.एफ.सी लाईफ पॉलिसी क्रमांक 26866485 में मेरा नाम विनीत यादव दर्ज होने से भिन्नता उत्पन्न हो रही है। मैं उक्त शिवकुमार यादव व विनीत यादव दोनों नामों का मैं एक ही व्यक्ति होने व उक्त सभी दस्तावेज मेरे होने के प्रमाण हेतु शपथपत्र के माध्यम से यह आम सूचना का प्रकाशन किया गया है। अतः मुझे शिवकुमार उर्फ विनीत पिता श्री आशाराम यादव के नाम से पढ़ा व लिखा जाने के साथ पहचाना जावें।

शपथ कर्ता
शिवकुमार यादव
पिता श्री आशाराम निवासी ग्राम पिठहरा, पोस्ट आमगॉव छोटा तह. गाडरवारा जिला नरसिंहपुर (म. प्र.)

माँ तुझे प्रणाम योजना के तहत 17 युवाओं का दल धार्मिक स्थलों के लिए रवाना

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी ष्माँ तुझे प्रणामष् योजना के अंतर्गत जिले से 17 युवाओं का एक दल ऐतिहासिक व धार्मिक स्थलों के भ्रमण के लिए रवाना हुआ। यह योजना युवाओं को प्रदेश की सांस्कृतिकए धार्मिकए ऐतिहासिक व भौगोलिक विरासत से परिचित कराने के उद्देश्य से संचालित की जा रही है।इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी मोहम्मद अहमद खान ने बताया कि चयनित युवा ओंकारेश्वरए महेश्वर एवं माण्डव जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों का भ्रमण करेंगे। यह दल युवा समन्वयक नारायण सिंह मरावी ;अमरपुरद्ध के नेतृत्व में शहडोल संभाग की ओर रवाना हुआ।

युवाओं की सूची

युवा प्रतिभागियों में विकासखंड डिंडौरी से रवि राजपूत चिन्मय जैन अभय सिंह ठाकुरए मोहम्मद साहिबे आलम खानए शहपुरा से शब्द साहूए नीलेश साहू आयुष्मान रायए पीयूष झारियाए अमरपुर से दामोदर यादव समनापुर से विवेक पटेलए कुलदीप मार्को करंजिया से हरिदास मरावी सूरज नेताम करण महेश्वरी बजाग से सुरेन्द्र तेकाम अवरेन्द्र मरावी कुलेश मरावी एवं मेंहदवानी से सजल मरकाम शामिल हैं।

दल को शुभकामनाओं के साथ किया गया रवाना

यात्रा के शुभारंभ अवसर पर प्रभारी जनसंपर्क अधिकारी चेतराम अहिरवारए सहायक ग्रेड.3 रोशन बाबू झारियाए युवा समन्वयक संतोषी यादव ;डिंडौरी एवं सुनीता धुर्वे ;समनापुर उपस्थित रहे। उन्होंने

धवाड़ोंगरी में 65 लाख की लागत से बन रहे उप स्वास्थ्य केंद्र में भ्रष्टाचार की बू घटिया निर्माण पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

डिंडौरीए करंजिया।जनपद करंजिया की ग्राम पंचायत धवाड़ोंगरी में 65 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन उपस्वास्थ्य केंद्र अब विवादों के घेरे में है। निर्माण स्थल पर जारी कार्य में गंभीर तकनीकी अनियमितताएं और निर्माण सामग्री की गुणवत्ता को लेकर स्थानीय ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि निर्माण के नाम पर महज खानापूर्ति की जा रही हैए जिससे केंद्र की संरचनात्मक मजबूती पर सवाल खड़े हो गए हैं।

मानकों की अनदेखीए घटिया सामग्री से बन रहे कॉलम

ग्राम पंचायत धवाड़ोंगरी के सरपंच ईश्वर तेकाम ने बताया कि भवन निर्माण में तकनीकी मापदंडों की सरेआम अनदेखी की जा रही है। कॉलम की नींव मात्र एक फीट गहराई में डाली गई हैए जबकि नियमानुसार कम से कम पांच फीट की खुदाई और 12 से 16 मिमी मोटाई की सरिया की आवश्यकता होती है। इसके स्थान पर 10 मिमी की चार छड़ों से काम चलाया जा रहा है। साथ हीए सरियों के बीच की दूरी भी निर्धारित 6 इंच की बजाय 10 इंच रखी गई हैए जो निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़े करती है।

तकनीकी अमले पर मिलीभगत का संदेह

सरपंच तेकाम का कहना है कि उन्होंने स्वयं ठेकेदार और स्वास्थ्य विभाग के उपयंत्री को कई बार घटिया निर्माण की जानकारी दीए लेकिन न तो निर्माण कार्य में सुधार हुआ और न ही किसी प्रकार की प्रशासनिक कार्रवाई देखने को मिली। इससे स्पष्ट है कि तकनीकी अमले की भूमिका संदेह के घेरे में है। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार और विभागीय अधिकारियों की आपसी सांठगांठ से निर्माण कार्य को औपचारिकता मात्र में तब्दील कर दिया गया है।

स्वास्थ्य सेवाओं की उम्मीदों को लगा झटका

धवाड़ोंगरी के ग्रामीणों की वर्षों पुरानी मांग पर यह उपस्वास्थ्य केंद्र स्वीकृत हुआ था। लोगों को आशा थी कि इसके माध्यम से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ होंगी और आसपास के दर्जनों गांवों को इसका लाभ मिलेगा। लेकिन जिस प्रकार से निर्माण में लापरवाही बरती जा रही हैए उससे यह महत्वाकांक्षी योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती नजर आ रही है।

ग्रामीणों ने की उच्चस्तरीय जांच की मांगए आंदोलन की चेतावनी

स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने निर्माण कार्य में पारदर्शिता लाने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग करते हुए शासन.प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की अपील की है। सरपंच ईश्वर तेकाम ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र सुधार नहीं हुआ और निर्माण की गुणवत्ता सुनिश्चित नहीं की गईए तो ग्रामवासी व्यापक आंदोलन की राह पकड़ेंगे।

सरपंच, सचिव की मनमानी, मानक विहीन सामग्री से कराया सीसी सड़क निर्माण

एक महीने में ही जगह जगह आई दरार, उखड़ने लगी गिट्टी

शहपुरा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत पिपरिया कला का मामला

शहपुरा। आदिवासी बाहुल्य जिला डिंडौरी के ग्रामीण अंचलों में सरकार के द्वारा विभिन्न योजना से विकास कार्य तो कराए जा रहे हैंए लेकिन जनपद पंचायत के अधिकारियों के द्वारा समय पर निरीक्षण नहीं करने के चलते कई विकास कार्य भृष्टाचार की भेंट चढ़ रहे है।

दरअसल ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं को क्रियान्वित करने के लिए 5 वां वित्त और 15 वां वित्त आयोग की सहायता राशि से सीसी सड़क का निर्माण ग्राम पंचायतों के द्वारा कराया जाता हैए लेकिन अधिकतर ग्रामीण क्षेत्रों में जिम्मेदारों के गुणवत्ताविहीन सड़कों का निर्माण कराया जा रहा हैए जिसके चलते चंद महीनों में लाखों रुपए की लागत से निर्मित सड़कें जर्जर हो रही हैएजिसकी सुध लेने वाला कोई नही है।बता दें कि ताजा मामला जनपद पंचायत शहपुरा के ग्राम पंचायत पिपरिया कला का सामने आया है। जहाँ झारिया टोला में 1 माह पहले ग्राम पंचायत सरपंच और सचिव के द्वारा अपने चहेते ठेकेदार से सीसी रोड़ का निर्माण कराया गया हैए जो अब वह उखड़ने लगी है।

कहना गलत नहीं होगा कि सरपंचएसचिव और ठेकेदार के द्वारा स्वयं को आर्थिक लाभ पहुंचाने की मंशा से अधिकारियों से सांठगांठ कर मानकविहीन साम्रगी से सड़क का घटिया निर्माण कराया गया हैए जिसकी वजह से चंद महीने में ही लाखों रुपए की लागत से नवनिर्मित सड़क पर जगह जगह से दरारें दिखाई देने लगी और साथ ही रोड की गिट्टी उखड़ने लगी है सवहीं जिम्मेदारों ने सीसी सड़क के बेस में पन्नी भी नही डाला गया हैएजो स्पष्ट दिखाई दे रहा है।

बता दे कि लोगों के सुगमता के लिए बनाए गए लाखों रुपए की सीसी सड़क में चलना भी दूभर हो गया हैए महज 1 महीना पहले बने सड़क की दुर्दशा देखकर लगता है कि ग्राम पंचायत पिपरिया कला के सरपंचएसचिव के द्वारा मिलीभगत कर इस कदर तय मापदंडों की अनदेखी की गई है। जिसकी झलक फोटो में देखा जा सकता है ।

सरपंच, सचिव तय मापदंडों नियमों को दिखा रहे ठेंगा

गौरतलब यह कि ग्राम पंचायत पिपरिया कला में विकास के नाम पर शासकीय राशि की जमकर होली खेली जा रही है। पंचायत के जिम्मेदार अपने चहेते ठेकेदार के माध्यम से घटिया निर्माण कार्य करा रहे हैए जिससे ग्राम का विकास तो दूरएकिए गए कार्य चंद महीने में अपनी गुणवत्ता खुद बयां करने लगे है ।

वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि ग्राम पंचायत सरपंच एसचिव के द्वारा जो सीसी सड़क का निर्माण कार्य कराया गयाए वह तय मापदंडों और गुणवत्ता के नियमों को ताक पर रखकर किया गया है। जिसकी वजह से लाखों रुपए की लागत से नवनिर्मित सीसी सड़क से अब गिट्टी निकल रही और दरारें दिखाई देने लगी है।

इनका कहना है

मामले की जानकारी आपके माध्यम मिली हैए सीसी सड़क में जो भी गड़बड़ी हुई हैएजांच करा कर आगे कार्रवाई की जाएगी ।

अरविंद बोरकर ; मुख्य कार्यपालन अधिकारीद्ध शहपुरा

जनसुनवाई में 78 आवेदनों पर हुई सुनवाई कलेक्टर ने त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गयाए जिसमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं प्रस्तुत कीं। जनसुनवाई के दौरान कुल 78 आवेदन प्राप्त हुएए जिनमें से कई का मौके पर ही निराकरण किया गयाए जबकि शेष आवेदनों के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय.सीमा में कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनिल कुमार राठौरए डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रामीणों ने रखीं अपनी समस्याएंए कलेक्टर ने दिए निर्देश

ग्राम बिछिया माल निवासी श्रीमती संतोषी बाई ने जननी सुरक्षा योजना एवं मातृ वंदना योजना की सहायता राशि अभी तक न मिलने की शिकायत दर्ज कराई। इस पर कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने संबंधित विभाग को शीघ्र कार्यवाही के निर्देश दिए।

ग्राम के एक अन्य निवासी घनश्याम ने अधूरी नालीध्नहर निर्माण की समस्या उठाई और बताया कि बरसात के दौरान अधूरी नाली से उनके घर में पानी भरने की आशंका है। कलेक्टर ने मामले की जांच कर शीघ्र निराकरण के आदेश दिए।वहींए श्री नानादास ने संबल योजना के अंतर्गत अपनी पत्नी किरण बाई की मृत्यु के उपरांत स्वीकृत दो लाख रुपये की सहायता राशि दिलाने का आग्रह किया। कलेक्टर ने इस पर भी त्वरित जांच और आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

ग्राम पंचायत कंचनपुर माल के सरपंच एवं ग्रामीणों ने खेल मैदान की सरकारी भूमि पर हो रहे अतिक्रमण को हटाने की मांग रखी। उन्होंने बताया कि वर्षों से वहां खेल मैदान निर्माण प्रस्तावित है। इस पर कलेक्टर ने संबंधित तहसीलदार को अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के माध्यम से समाधान की दिशा में सार्थक पहल

कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने कहा कि जनसुनवाई आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का सशक्त माध्यम है। सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक आवेदन का गंभीरता से परीक्षण कर निर्धारित समय.सीमा में समाधान किया जाए।

प्रदेश के समस्त आंगनबाड़ी केंद्रों में 1 से 15 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश

डिंडौरी । संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रदेश के समस्त आंगनबाड़ी केंद्रों में 1 जून से 15 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित किया गया है। इस दौरान 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को पूर्ण रूप से अवकाश मिलेगाए ताकि वे गर्मी के मौसम में सुरक्षित रहें 6 माह से 3 वर्ष तक के बच्चों और गर्भवती व धात्री महिलाओं के लिए पोषण आहार ;रेडी टू ईट फूडद्ध वितरण का कार्य मंगलवार को यथावत जारी रहेगा। इस हेतु लाभार्थियों को केंद्रों में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। पोषण आहार ;रेडी टू ईट फूडद्ध में चावल आधारित सूखा खिचड़ी मिक्सए गेहूं आधारित मिश्रणए मूंग दाल मिश्रणए मक्का मूंग चना दाल मिक्स आदि शामिल हैं। आंगनबाड़ी सहायिकाओं को इन खाद्य पदार्थों का नियमित वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्याम सिंगौर के निर्देशन में स्व.सहायता समूहों को 2 जून तक आरटीई निर्माण एवं वितरण का कार्य पूर्ण करने को कहा गया है। आरटीई निर्माण और वितरण की भौतिक सत्यापन की जिम्मेदारी परियोजना अधिकारियों और पर्यवेक्षकों को सौंपी गई हैए जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि लाभार्थियों को पोषण आहार समय पर एवं सही मात्रा में प्राप्त है अवकाश की अवधि का उपयोग आंगनबाड़ी केंद्रों के वार्षिक संधारण और सफाई कार्य के लिए किया जा रहा है। सभी केंद्रों में साफ.सफाई के साथ आवश्यक मरम्मत कार्य भी किए जा रहे हैं। साथ ही ऐसे आंगनबाड़ी केंद्रए जो जर्जर भवनों में संचालित हो रहे हैं अथवा जहां बिजलीए पानी और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव हैए उन्हें चिन्हित कर संबंधित अधिकारियों को सूचित करने के निर्देश भी जारी किए गए हैंए जिससे इन केंद्रों को सुविधायुक्त भवनों में स्थानांतरित किया जा सके। महिला एवं बाल विकास विभाग ने सभी लाभार्थियों से अपील की है कि वे दिए गए निर्देशों का पालन करें और निर्धारित तिथियों में केंद्रों पर उपस्थित होकर पोषण आहार प्राप्त करें। यह कदम बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य और पोषण स्तर को बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

नर्मदा जन जागरण यात्रा के जरिए जल संरक्षण का संदेश ग्रामों में जन सहभागिता से निकाली गई यात्रा

डिंडौरी। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा मां नर्मदा के जल को निर्मल रखने प्रवाह को अविरल बनाए रखने और जल संरक्षण को जन आंदोलन का रूप देने के उद्देश्य से जिले में नर्मदा पथ सर्वेक्षण एवं जन जागरण यात्रा निकाली जा रही है। यह यात्रा नर्मदा जी के दक्षिण व उत्तर तट पर समान रूप से संचालित की जा रही है।

यात्रा की शुरुआत 2 जून को दक्षिण तट स्थित ग्राम पंचायत गीधा के गोमती संगम में श्रमदान और स्वच्छता कार्यक्रम से हुई। इसके बाद मां नर्मदा की आरती कर यात्रा को आगे बढ़ाया गया। यात्रा ने ग्राम कूड़ा मालए मडियारासए डांडबिछियाए घानाघाटए रामघाट तथा राजघाट का भ्रमण किया।

ग्रामीणों को किया जा रहा जागरूक

जन जागरण यात्रा के दौरान प्रत्येक गांव में चौपाल का आयोजन कर ग्रामीणों को जल संरक्षणए परंपरागत जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन और सामुदायिक श्रमदान की आवश्यकता के बारे में जागरूक किया गया। ग्रामीणों से नर्मदा पथ सर्वेक्षण प्रपत्र भरवाए जा रहे हैंए जिनमें स्थानीय जल संरचनाओं की स्थिति और उपयोगिता की जानकारी दर्ज की जा रही है।

जल संरक्षण की ली गई शपथ

परिषद के जिला समन्वयक श्री धर्मेंद्र चौहान ने बताया कि गांवों में कुएंए बावड़ियोंए तालाबोंए नदियों और नालों जैसे पारंपरिक जल स्त्रोतों के संरक्षण और पुनरुद्धार हेतु जनसहभागिता को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

बाढ़ आपदा से निपटने कलेक्टर नेहा मारव्या ने तैयारियों को लेकर विभागों को दिए सख्त निर्देश

डिंडौरी। जिले में संभावित बाढ़ आपदा से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आपदा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया और बाढ़ पूर्व तैयारियों की समीक्षा की गई।

बैठक में अपर कलेक्टर सुनील शुक्ला जिला पंचायत सीईओ श्री अनिल कुमार राठौरए डिप्टी कलेक्टर एवं आपदा प्रबंधन नोडल अधिकारी श्री वैधनाथ वासनिक एसडीएम बजाग श्री रामबाबू देवांगन सीएमएचओ डॉण् रमेश मरावी सहित समस्त तहसीलदारए पीडब्ल्यूडी एमपीईबी मत्स्य पशुपालन खाद्य स्वास्थ्य यांत्रिकी श्रम एवं बैंकिंग सेक्टर के अधिकारी मौजूद रहे।

नदी घाटों और तटबंधों पर सुरक्षा व्यवस्था के निर्देश

कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नदी किनारे के घाटों पर स्पष्ट दिशानिर्देश चिह्नित किए जाएंए और कोटवारों को तटबंधों की सुरक्षा हेतु पूर्व से सचेत किया जाए। जलमग्न पुलों पर आवागमन प्रतिबंधित करने और आमजन को समय रहते सचेत करने के लिए प्रचार.प्रसार पर भी विशेष बल दिया गया।

बिजली, स्वास्थ्य और खाद्य आपूर्ति विभागों को सतर्क रहने के निर्देश

एमपीईबी को वर्षा ऋतु में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा खराब मौसम में निरंतर निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। वहीं खाद्य विभाग को संभावित खाद्यान्न संकट वाले ग्रामों में तीन माह का खाद्य भंडारण अग्रिम रूप से सुनिश्चित करने को कहा गया। स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को निर्देशित किया गया कि बारिश के दौरान जल स्त्रोतों के दूषित होने की आशंका को देखते हुए क्लोरीन एवं जल शुद्धिकरण दवाओं का नियमित उपयोग सुनिश्चित किया जाएए ताकि जलजनित बीमारियों की रोकथाम की जा सके।

जर्जर भवनों को गिराने के निर्देशए सर्पदंश से निपटने विशेष दल तैनात

कलेक्टर ने शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में जर्जर शासकीय और निजी भवनों की पहचान कर उन्हें वर्षा पूर्व गिराने के निर्देश दिए ताकि किसी भी संभावित दुर्घटना से बचा जा सके। साथ ही वर्षा ऋतु में सर्पदंश की घटनाओं को ध्यान में रखते हुए वन विभाग को निर्देशित किया गया कि अनुभवी सर्प विशेषज्ञों कृ श्री ओम नमः शिवाय श्री शिवकुमार झारिया एवं श्री शिवशंकर मेहरा की टीम को तैनात किया जाए ताकि समय पर राहत प्रदान की जा सके।

आपसी समन्वय से आपदा प्रबंधन की तैयारियां पूर्ण करें

कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने बैठक के समापन पर सभी विभागों को परस्पर समन्वय के साथ आपदा प्रबंधन की तैयारियां पूर्ण करने तथा संभावित बाढ़ स्थितियों में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

8

जबलपुर, बुधवार 4 जून 2025

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

जलाई गई थी फसल, मुआवजा व कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस पीडित किसान द्वारा जनसुनवाई मे आवेदन देकर मुआवजा की मांग करते हुए आग लगाने वालों पर कार्रवाई की मांग की गई। पीड़ित अखिलेश तिनगुरिया द्वारा दिए गए आवेदन मे बताया गया कि ग्राम मिढवानी में अपनी कृषि भूमि में गेंहूँ की फसल लगाई गई थी, जो पककर तैयार थी जिसे दिनांक 05 अप्रैल को सायं करीब 04.30 बजे उसके ही रिश्तेदार जो सभी निवासी ग्राम मिढ़वानी (देवरी) थे उन्होंने जान-बूझकर गेंहूँ की फसल में आग लगा दी गई, जिससे खेत में आधा एकड़ की गेंहूँ की फसल तथा 04 कट्टी चना की जल गये आवेदक को लगभग एक लाख रूपये की आर्थिक क्षति हुई। यह कि अनावेदकगण द्वारा कारित की गई उक्त घटना की रिपोर्ट दिनांक के उपरांत पुलिस थाना सॉईंखेड़ा, अनुविभागीय अधिकारी गाडरवारा, तहसीलदार सॉईंखेड़ा, हल्का पटवारी मौजा मिढ़वानी, राजस्व निरीक्षक के समक्ष तथा पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में भी की गई परंतु एक अनावेदक रिटायर्ड पुलिसकर्मी है, इस कारण आज दिनांक तक अनावेदकगण के विरूद्ध कहीं भी न तो आज दिनांक तक कहीं कोई शिकायत दर्ज की गई, न ही उन्हें दंडित किया गया और न ही पीड़ति को कोई क्षतिपूर्ति की राशि प्रदान की गई। आवेदक के घर में वह स्वयं तथा उसकी अतिवृद्ध माँ हैं, जिनका भरण-पोषण आवेदक द्वारा किया जाता है जिससे वह बमुश्किल कृषि कार्य कर पाता है । अनावेदकगण उसे कई दिनों से परेशान किये हुए हैं, जिसके चलते मूँग की फसल भी नहीं बोने दी गई है। इस प्रकार आवेदक उक्त सभी अनावेदकगण से मानसिक व आर्थिक रूप से काफी परेशान है उक्त सभी स्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए क्षतिपूर्ति दिलाये जाने व आवश्यक कार्यवाही की मांग की है ।

ग्रीष्मकालीन खो खो प्रशिक्षण सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस ग्रीष्मकालीन खो खो प्रशिक्षण यूनिटी खो - खो क्लब में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा श्रीमती सुनीता यादव खेल अधिकारी के सानिध्य में लगाया गया जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया एवं प्रशिक्षक विवेक कहार के द्वारा खो खो की बारीकियां सीखी और 2 जून को इस शिविर का समापन किया गया समापन में माननीय सुनील कोठारी , सुनीता यादव, पंकज नेमा, परितोष दुबे, विकास शर्मा, आकाश खत्री, उषा शैलोकर, गेंदा लाल, अंकित खत्री, अनिकेत बैरागी, पंकज खरारे, भूपेंद्र ठाकुर, राकेश ठाकुर आदि सभी मौजूद रहे। कार्यक्रम में सभी बच्चों को प्रमाण पत्र दिए गए विवेक कहार के द्वारा कार्यक्रम में आए सभी अधिकारी खिलाड़ियों को आभार व्यक्त किया।

जमीन विक्रय के नाम पर धोखाधड़ी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस किसान के साथ जमीन विक्रय के नाम पर की गई धोखाधड़ी का मामला सामने आया। इटारसी निवासी किसान सुखदेव सिंह सिरोय ने मंगलवार को कलेक्टर की जनसुनवाई में शिकायत दर्ज कराई। सुखदेव सिंह और उनके पुत्र जगदीश ने गाडरवारा तहसील के ग्राम खडई में 32.60 डिसमिल कृषि भूमि खरीदी थी। करेली निवासी गौतम लूनावत और उनके साथियों ने यह जमीन बेची। बाद में पता चला कि यह जमीन पहले ही शासन द्वारा शून्य घोषित की जा चुकी थी। इस मामले में करेली थाने में धोखाधड़ी का केस दर्ज है। आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 420, 467, 468, 471 और 34 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पीड़ति का आरोप है कि आरोपी प्रभावशाली लोग हैं।

शासकीय राशि की होली खेल गया सरपंच

भ्रष्टाचार के लगाए आरोप, सरपंच को हटाने की मांग

पंच व ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन जांच में मिली अनियमितता और वित्तीय गड़बड़ियां

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

सरकार द्वारा ग्राम विकास के लिए लाखों रूपए की राशि स्वीकृत कर लोगों को बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने की बात कही जाती है लेकिन प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों के साथ मिलकर जनता के चयनित प्रतिनिधियों द्वारा शासकीय राशि का दुरूपयोग किया जाता है जिससे ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं नही मिल पाती है। ऐसा ही मामला जनपद पंचायत चावरपाठा की ग्राम पंचायत बिल्थारी का सामने आया जहां पर भ्रष्टाचार होने के कारण ग्रामीणों व पंचो द्वारा सरपंच को पद से हटाने की मांग की गई। उक्त भ्रष्टाचार मे प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों की भी मिलीभगत होने का पूरा अंदेशा है।

जांच मे पाए गए दोषी

आवेदन में बताया गया कि जनपद पंचायत चावरपाठा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बिल्थारी के सरपंच के खिलाफ की गई जांच मे सरपंच को दोषी पाया गया। सरपंच के खिलाफ दो कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। पहला नोटिस 4 अप्रैल और दूसरा 21 अप्रैल 2025 को जारी किया गया। जांच में 10 बिंदुओं पर आरोप सही पाए गए। इनमें पंचायत निधियों का दुरुपयोग, निर्माण कार्यों में अनियमितता और वित्तीय गड़बड़ियां शामिल हैं।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत चावरपाठा की जांच रिपोर्ट 18 मार्च 2025 को जारी की गई। स्थल जांच का पंचनामा भी आवेदन के साथ जोड़ा गया है। सरपंच 15 और 29 अप्रैल 2025 को हुई जनसुनवाई में नहीं पहुंचीं। उन्होंने नोटिस का कोई जवाब भी नहीं दिया।

विकास कार्य हो रहे बाधित

मंगलवार को पंच व ग्रामीणों द्वारा दिए गए आवेदन मे उल्लेख किया गया है कि सरपंच द्वारा पंचायत में भ्रष्टाचार किया गया है। उन्होंने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने मध्यप्रदेश पंचायत राज अधिनियम की धारा 40 के तहत सरपंच को पद से हटाने की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि सरपंच के पति और पुत्र का पंचायत क्षेत्र में दबदबा है। इससे विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। आरोप साबित होने के बाद भी न तो धन वसूली हुई और न ही सरपंच को हटाया गया। यह धारा 89 (1) और धारा 40 का उल्लंघन है। राजू पेठ, नारायण नीलम सहित अन्य पंचों ने जिला प्रशासन से सरपंच को तुरंत हटाने की मांग की है। उनका कहना है कि इससे ग्राम पंचायत में विकास कार्य सुचारु रूप से चल सकेंगे।

कर्मचारियों की मिलीभगत का अंदेशा

जनपद पंचायत चावरपाठा की ग्राम पंचायत बिल्थारी में हुई अनियमित्ता व वित्तीय गड़बड़ी के मामले मे सरपंच के साथ - साथ प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारियों की मिलीभगत का पूरा अंदेशा बना हुआ है। जानकारों के अनुसार सरपंच के साथ बिना अधिकारियों की मिलीभगत के शासकीय राशि का आहरण नही हो सकता है। प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों की मिलीभगत से ही यह संभव है। प्रशासन को चाहिए की मामले से जुड़े सभी कर्मचारियों की जांच कर उचित कार्रवाई की जाए तथा शासकीय राशि वसूल की जावे।

श्रीरामकथा में बताई शिव-पार्वती विवाह की कथा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

स्थानीय राम नगर कॉलोनी में चल रही संगीतमय श्रीरामकथा के दूसरे दिन परम पूज्य पंडित संतोष राम शंकर जी महाराज ने जगत माता-पिता शिव-पार्वती के शुभ विवाह की कथा का वर्णन विस्तार से सुनाया। श्रद्धालुओं ने शिव-पार्वती के विवाह की कथा सुनकर आध्यात्मिक आनंद प्राप्त किया और भाव-विभोर होकर शिव नाम का जाप किया। भगवान शिव-पार्वती के विवाह की कथा हिंदू पौराणिक कथाओं में एक महत्वपूर्ण भाग है जिसके अनुसार, पार्वती ने शिव को पति के रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की थी और उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर शिव ने उन्हें अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार किया था। कार्यक्रम में संगीत और भजनों के माध्यम से शिव-पार्वती के विवाह की कथा को प्रस्तुत किया गया, जिससे श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति और आनंद मिला। शिव-पार्वती के विवाह की भव्यता का वर्णन करते हुए कथाव्यास ने बताया कि यह विवाह देवताओं और ऋषियों की उपस्थिति में हुआ था। उपस्थित श्रद्धालुओं ने कहा कि, शिव-पार्वती के विवाह की कथा सुनने से उन्हें आध्यात्मिक शांति और आनंद मिला और यह आयोजन उनके जीवन को सकारात्मक दिशा में प्रभावित करेगा और उन्हें शिव और पार्वती के आदर्शों को अपनाने के लिए प्रेरित करेगा संगीतमय श्रीरामकथा के आगामी दिनों में श्रीराम के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की जाएगी और श्रद्धालुओं को उनके जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत कारएंगे।

साइकिल रैली का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस विश्व साइकिल दिवस पर भारत विकास परिषद द्वारा साइकिल रैली का आयोजन किया गया। उक्त संबंध मे बताया गया कि साइकिल रैली एक ऐसी पहल है जो स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देती है और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। नेशनल सदस्य (पर्यावरण) जे. के. शर्मा के उक्त विचार व्यक्त किए। इस दौरान रीजनल अध्यक्ष इंजी सुनील कोठारी ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि सबसे बड़ा धन स्वास्थ्य है। साइकिल चलाना न केवल हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण एवं ईंधन बचत का भी सशक्त माध्यम है। विवेकानंद शाखा के अध्यक्ष सुरेश कुमार नेमा ने अपने उद्बोधन में कहा कि नियमित सायकिल चलाना एक व्यायाम के साथ-साथ हमें शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहने में मदद करता है। नरसिंहपुर शाखा अध्यक्ष उमेश दुबे ने लोगों को नियमित साइकिलिंग करने का संकल्प दिलाया। इस मौके पर प्रांतीय अध्यक्ष संजय तिवारी, प्रांतीय उपाध्यक्ष आशुतोष वर्मा, कोषाध्यक्ष डॉ ब्रजेश पटेल, ब्रजेश नेमा, अजय श्रीवास्तव, सुभाष नेमा सराफ, सुशील कोठारी, परितोष दुबे, डॉ यादव, बिनोद नामदेव, सत्यम नेमा, हेमराज मेहरा, राजेश सोनी, अजय खत्री, खेमचंद कोरी, एड प्रताप पटेल, चंदोलिया आदि के अलावा स्थानीय लोगों ने कार्यक्रम में बढ़चढ़ कर भाग लिया।

एमआईएमटी हेल्प डेस्क का हुआ शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत प्रवेश प्रक्रिया, विषय चयन और छात्र-छात्राओं के समग्र व्यक्तित्व विकास की दिशा में शासन की महत्वपूर्ण योजना 'कॉलेज चलो अभियान के अंतर्गत एम आई एम टी कॉलेज नरसिंहपुर द्वारा शासन के निर्देशों का पालन करते हुए छात्र-छात्राओं की काउंसलिंग एवं उच्च शिक्षा प्रवेश प्रक्रिया में मार्गदर्शन के उद्देश्य से अग्रणी महाविद्यालय पी.एम.श्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नरसिंहपुर के नजदीक हेल्प डेस्क का उद्घाटन उप प्राचार्य डॉ एस. एन. राव एवं कला संकाय के विभागाध्यक्ष डॉ पराग नेमा द्वारा किया गया। उल्लेखनीय है कि महाविद्यालय की हेल्पडेस्क का उद्देश्य है कि जानकारी के अभाव मे कोई भी छात्र-छात्रा प्रवेश से वंचित न रह सके। इस अवसर पर राजेन्द्र चडार, जितेन्द्र मिश्रा, हेमराज सेन, मो. आशिक अली, कृष्णकांत जाटव, नीरज पचैरी, करीम खान, सी.पी. गुप्ता, पवन कुशवाहा, शिव कुमार मेहरा एवं संजय नेमा सहित छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही ।

फोरलाइन में खड़े ट्रक से डीजल चुरा ले गए चोर

नरसिंहपुर। बीती रात थाना क्षेत्र करेली अंतर्गत कठोतिया के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर डीजल चोरी का मामला सामने आया है। मडारा से हैदराबाद जा रहा गेहूं से भरा ट्रक सोमवार रात कठोतिया गांव के पास खराब हो गया। ट्रक ड्राइवर रासिक खान ने वाहन को सड़क किनारे खड़ा कर सहायता के लिए 1033 को सूचना दी। 1033 की टीम ने गाड़ी के आगे-पीछे स्टॉपर लगाकर मदद की। रात करीब 4 बजे जब ड्राइवर की नींद खुली तो उसने देखा कि एक सफेद कार से 3-4 लोग उतरकर डीजल चोरी कर रहे थे। ड्राइवर के आवाज लगाते ही चोर मौके से फरार हो गए। ललितपुर निवासी ड्राइवर ने बताया कि ट्रक में 350 लीटर डीजल था। चोरी के बाद केवल 50 लीटर डीजल बचा। मंगलवार सुबह ड्राइवर ने डायल 100 पर सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शिकायत दर्ज कर ली है और मामले की जांच कर रही है।

जनसुनवाई में आये 90 आवेदन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय आयोजित जनसुनवाई में जिले के विभिन्न स्थानों से पहुंचे लोगों ने सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार एवं अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह को अपनी समस्यायें बताई और आवेदन दिये। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवेदनों के समय सीमा में निराकरण के निर्देश दिये और विभिन्न आवेदनों का मौके पर भी निराकरण कराया। कलेक्ट्रेट में हुई जनसुनवाई में 90 आवेदन आये।

अत्यधिक केमिकलों के प्रयोग से क्षीण हो रही जमीनी उर्वरा शक्ति

तेंदूखेड़ा ।

मंहगाई के इस दौर में खेती को लाभ का धंधा बनाने की चाहत और फिर लागत मूल्य निकालनें के चक्कर में खेतों में डलने वाले जहरीले कीटनाशकों की वजह से ना केवल जमीन की उर्वरक क्षमता बुरी तरह से प्रभावित हो रही है वहीं मानव शरीर पर भी इसके गहरे प्रभाव पड़ रहें हैं। लगातार दवाईयों के प्रयोग से जमीन के भीतर विभिन्न प्रकार के जीव जो जमीन के हितैषी हैं वह भी नष्ट हो रहें हैं।इस व्यवस्था में यदि किसानों ने बदलाव नहीं किया तो आने वाले समय में इसके दुष्प्रभाव से खतरे ही खतरे हैं।

मूंग में सबसे ज्यादा दवाईयों का प्रयोग

जिस दाल को डाक्टर लोग बीमारी के समय मरीज को उपयोग करने के लिए बोला करते हैं।उसी मूंग दाल में सबसे ज्यादा रासायनिक दवाईयों का प्रयोग किया जा रहा है।जो मानव शरीर के लिए घातक सिद्ध हो सकती है। गर्मी के मौसम में तैयार होने वाली इस फसल में जहां सर्वाधिक पानी लगता है वहीं दो से तीन माह में तैयार होने वाली इस फसल में सर्वाधिक दवाईयों का प्रयोग किया जाता है।जो मानव शरीर के लिए घातक सिद्ध हो सकती है।

अब कटाई के पूर्व भी हो रहा दवाईयों का छिड़काव

तेंदूखेड़ा सहित चांवरपाठा विकास खंड में लगभग 28 हजार हेक्टेयर भूमि में मूंग की फसल लगाई गई है। लगभग पूर्व की बोवनी के हिसाब से यह उपज तैयार हो चुकी है।मौसम के बदलते मिजाज और मजदूरों की समस्या को लेकर इस फसल की पत्तियों को सुखाने के लिए जिस तरह के पैराकाट टेक्नीकल का उपयोग

किया जा रहा है। जहां पर फसल लगभग पककर तैयार हो चुकी है और पत्तियां अभी हरी बनीं हुई है। वहां पर जिस तरह से प्रेसीसाइड का प्रयोग किया जा रहा है वह कृषि वैज्ञानिकों के हिसाब से ठीक नहीं है। चूंकि यह प्रेसीडाइड का प्रयोग खरपतवार नाशक है लेकिन किसान मूंग फसल को जल्दी काटने को लेकर पत्ते सुखाने के लिए प्रयोग कर रहे हैं। कृषकों का कहना है कि इससे फसल काटने में आसानी हो जाती है और जहरीले जंतु भी मर जाते हैं या भाग निकलते हैं।

जमीन में हो रही पोषक तत्वों की कमी

जमीन के पोषक तत्वों में लगातार हो रही कमी इसके

ज्वलंत उदाहरण है और मानव जीवन में विभिन्न प्रकार की गंभीर बीमारियां प्रमाण है। पहले कभी जमीन को वर्ष में एक या दो बार ही जमीन को जोता जाता था लेकिन अब वर्ष में तीन बार जमीन जोतने के चक्कर और अधिक उत्पादन को लेकर मूंग जैसी फसल में तीन से पांच स्प्रे से जिस तरह से जहर के बीच फसलों का उत्पादन हो रहा है यह विषय तत्काल के लाभ की दृष्टि से तो ठीक है लेकिन इसके दूरगामी परिणाम और मानव सेहत पर गंभीर परिणाम निकलकर सामने आ रहे हैं।कैंसर और साइलेंट अटैक जैसे अनेक उदाहरण सामने है।इस विषय को लेकर हमारे प्रतिनिधि को जानकारों ने अपनी अपनी प्रतिक्रियाएं दी है।

इनका कहना है

मूंग फसल को उपजाने से लेकर काटने तक जिस तरह से रासायनिक दवाईयों का प्रयोग किया जा रहा है वह काफी नुकसानदायक है।इस विषय को लेकर किसानों को बार बार प्रेरित भी किया जा रहा है। विकास खंड के अंतर्गत आने वाले ग्रामीण क्षेत्रों में शिविरों के माध्यम से जानकारी भी दी जा रही है।नीम का तेल मठा का छिड़काव जैसे देशी उपचारों को बताया जा रहा है। रासायनिक दवाईयों के कारण जमीन के भीतर जमीन हितैषी जीवाणु भी नष्ट हो रहें हैं। कृषकों को नैनोटेक्नोलॉजी और जैविक खेती के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

बी एम साहू
वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी चांवरपाठा